www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 87 | जौनपुर, शनिवार, 14 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

शिवपाल-आजम की मुलाकात पर ओपी राजभर का बड़ा दावा

लखनऊ, (संवाददाता)। कैबिनेट मंत्री और सुभासपा प्रमुख ओमप्रकाश राजभर ने शनिवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने शिवपाल यादव और आजम खान की डासना जेल में हुई मुलाकात को लेकर तंज कसते हुए अखिलेश से सवाल किया कि क्या उनके चाचा उन्हें बताकर रामपुर वाले चचाजान से मिलने गए थे या बिना बताए। राजभर ने इस मुलाकात को लेकर लंबी डीलिंग होने की आशंका भी जताई।

राजभर ने अखिलेश को संबोधित करते हुए लिखा कि कहावत सुनी है या नहीं– श्जो सोवत है सो खोवत है, जो जागत है सो पावत है।श उन्होंने कहा कि उनके चच्चा गांव–गिरांव के आदमी हैं। जब तक अखिलेश सोते रहते हैं, तब तक वह सारा खेल–प्रपंच रचकर लौट आते हैं। राजभर ने लिखा कि अखिलेश को सोने से फुरसत नहीं है, जबकि उनके चच्चा बुढ़ापे में भी सुबह–सुबह उठकर डासना जेल में लंबी डीलिंग करके उनके जागने से पहले वापस लौट आए। राजभर ने अखिलेश से सवाल किया कि चच्चू और रामपुर वाले चचाजान के बीच आखिर क्या डील हुई है। उन्होंने लिखा कि कहीं अखिलेश के साथ बनारस जैसा खेला तो नहीं होने जा रहा है। राजभर के मुताबिक, चच्चा के चहेतों ने अभी से लंबी–लंबी डीलिंग करना शुरू कर दिया है।

दुनिया भर में सिकुड़ रहा लोकतांत्रिक दायरा – गौरव गोगोई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में कांग्रेस के उप–नेता गौरव गोगोई ने शनिवार को भारत समिट 2026 के दौरान प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए दुनिया भर में लोकतांत्रिक दायरे के सिकुड़ने पर गंभीर चिंता जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकारें नागरिकों के सवालों का जवाब देने के बजाय, उनसे जवाबदेही मांगने के उनके मौलिक अधिकार को ही निशाना बना रही हैं। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों के साथ अपनी बातचीत के बारे में ।छप्से बात करते हुए, गोगोई ने सरकारी जवाबदेही और लोकतांत्रिक मूल्यों में आ रही गिरावट को लेकर वैश्विक स्तर पर मौजूद साझा चिंता का जिक्र किया। गोगोई ने कहा मैं यहाँ था और मुझे दुनिया के अलग–अलग हिस्सों से आए प्रतिनिधियों से बात करने का मौका मिला। आज हर देश के नागरिकों के सामने कुछ चुनौतियां हैंय एक मुख्य समस्या यह है कि जब नागरिक अपनी सरकारों से सवाल पूछते हैं, तो सरकारें जवाब देने के बजाय, नागरिकों के सवाल पूछने के अधिकार पर ही हमला कर देती हैं। अलग–अलग देशों के बीच एक व्यापक समानता दिखाते हुए, कांग्रेस नेता ने इस प्रवृत्ति को लोकतांत्रिक शासन के लिए एक व्यवस्थित खतरे के रूप में बताया। उन्होंने कहा कि एक तरह से, दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में लोकतंत्र को खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, देश के पहले प्रधानमंत्री को किया याद



नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार, 14 नवंबर को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के माध्यम से पूर्व प्रधानमंत्री को याद करते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। नेहरू की जयंती के अवसर पर देशभर में बाल दिवस भी मनाया जा रहा है। इस मौके पर स्कूलों, शैक्षणिक संस्थानों और विभिन्न संगठनों में बच्चों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को तत्कालीन इलाहाबाद (वर्तमान प्रयागराज), उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने और 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के बाद प्रधानमंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने 27 मई 1964 को अपने निधन तक इस पद पर कार्य किया। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और आजादी के बाद देश के शुरुआती राजनीतिक एवं संस्थागत विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर उन्हें याद किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट के जरिए देश के पहले प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री की इस पोस्ट के साथ ही नेहरू जयंती पर देशभर में उन्हें याद करने का सिलसिला जारी रहा। विभिन्न राजनीतिक दलों और नेताओं ने भी अपने संदेशों के माध्यम से पंडित नेहरू के योगदान को याद किया।नेहरू की जयंती हर वर्ष 14 नवंबर को मनाई जाती है। यह दिन देश में बाल दिवस के रूप में भी विशेष महत्व रखता है। 1889 में इलाहाबाद में हुआ था जन्म पंडित जवाहरलाल नेहरू का जन्म 14 नवंबर 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। उनके पिता मोतीलाल नेहरू प्रसिद्ध वकील और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रमुख व्यक्तित्व थे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने नजफगढ़ स्थित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र की संस्थागत प्रगति की समीक्षा की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज शुक्रवार को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अंतर्गत नई दिल्ली के नजफगढ़ स्थित ग्रामीण स्वास्थ्य प्रशिक्षण केंद्र (आरएचटीसी) की संस्थागत प्रगति और विकास की समीक्षा की। इस दौरान मंत्री को अस्पताल एवं मरीजों की देखभाल संबंधी सेवाओं, जांच एवं सहायक सुविधाओं, मानव संसाधन, शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, गुणवत्ता आश्वासन और समुदाय आधारित स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में संस्थान द्वारा की गई प्रगति की जानकारी दी गई। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा ने आरएचटीसी, नजफगढ़ द्वारा संस्थागत बुनियादी ढांचे और स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए किए गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संस्थान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसकी विकास संबंधी पहलों को आगे बढ़ाने में आरएचटीसी की टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्थान की प्रगति और विकास में सहयोग देने के लिए सफदरजंग अस्पताल और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के महत्वपूर्ण योगदान को भी स्वीकार किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों के निरंतर प्रयासों और सामूहिक प्रतिबद्धता से आरएचटीसी को मरीजों की देखभाल, चिकित्सा शिक्षा और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवा के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत बनाया जा सकेगा। आरएचटीसी, नजफगढ़ में अगस्त से अक्टूबर 2026 की अवधि के दौरान मरीजों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई।



आम जनता के बीच से गुजर गया तमिलनाडु के सीएम विजय का काफिला

चेन्नई, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री के काफिले से पहले आमतौर पर यातायात सेवाओं में बदलाव किया जाता है। ट्रैफिक रोक दिया जाता है या फिर रूट डायवर्जन किया जाता है, लेकिन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के काफिले के लिए यह बात देखने को नहीं मिली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का काफिला भी निकला और आम जनता की आवाजाही भी जारी रही। सीएम विजय के काफिले का ऐसा ही एक वीडियो सामने आया है, जिसमें आम जनता को रोके बिना मुख्यमंत्री का काफिला आगे बढ़ता नजर आ रहा है। सीएम विजय के काफिले का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोगों के मुख्यमंत्री की इस पहल की सराहना कर रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स को सीएम का यह कदम काफी पसंद आ रहा है। तमिलनाडु सीएम विजय के काफिले का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें एक लेन में मुख्यमंत्री का पूरा काफिला गुजरता नजर आता है। वहीं दूसरी तरफ आम जनता सड़क पर चलती नजर आती है। मुख्यमंत्री के काफिले और आम जनता के बीच सिर्फ ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी खड़े थे। काफिले को अलग रखने के लिए सड़क पर कोई बैरिकेडिंग भी नहीं लगाई मुख्यमंत्री के काफिले के लिए आम जनता को नहीं रोका गया। एक के बाद एक गाड़ियां गुजरती रहीं और आम लोग भी अपने काम में लगे रहे। न कोई रोक–टोक और न ही ट्रैफिक जाम। सीएम विजय का ये अंदाज लोगों को खूब पसंद आया है।



उत्तर प्रदेश में 50 हजार युवाओं को मिलेगा टैबलेट, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे वितरण

लखनऊ, (संवाददाता)। विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश सरकार एक बार फिर युवाओं के बीच अपनी प्रमुख योजना के बड़े आयोजन के जरिये पहुंच बनाने जा रही है। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत रविवार को लखनऊ मंडल के 50 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में टैबलेट का वितरण करेंगे। वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भी बड़े आयोजन से वितरण की शुरुआत की थी। इसके साथ ही अन्य जिलों में भी शिक्षण संस्थानों के माध्यम से टैबलेट वितरण शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने अपने पहले कार्यकाल में 25 दिसंबर 2021 को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर लखनऊ के इकाना स्टेडियम में करीब 60 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट और स्मार्टफोन बांटने के साथ योजना की शुरुआत की थी। इसी दिन डिजिशक्ति पोर्टल भी लांच हुआ था। वित्तीय वर्ष 2022–23 में इसे स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के रूप में अगले पांच वर्षों के लिए लागू किया गया। इसके तहत दो करोड़ युवाओं तक डिजिटल उपकरण पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। अब तक करीब 62 लाख विद्यार्थियों को टैबलेट और स्मार्टफोन दिए जा चुके हैं। अगस्त में कैबिनेट ने 25 लाख नए टैबलेट खरीदने की मंजूरी दी थी। अब योजना में केवल टैबलेट वितरित किए जा रहे हैं। इसका लाभ स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा, तकनीकी शिक्षा, नर्सिंग और पैरामेडिकल सहित विभिन्न पाठ्यक्रमों के पात्र विद्यार्थियों को मिलता है। संस्थानों के माध्यम से लाभार्थियों का ब्योरा डिजिशक्ति पोर्टल पर सत्यापित किया जाता है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 65–65 फीट ऊंची प्रतिमाएं स्थापित हैं। भाजपा की वैचारिक विरासत से जुड़े इन नेताओं की स्मृति में बने इस स्थल से युवाओं को सरकार विकास योजनाओं के साथ अपनी वैचारिक पहचान का संदेश भी देगी।



प्रवासी उत्तराखण्डी राज्य की पहचान और गौरव, उनके अनुभव से विकास को मिलेगी नई दिशा - मुख्यमंत्री धामी

उत्तराखण्ड, (एजेंसी)। तृतीय प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन के समापन के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में देश के विभिन्न राज्यों और क्षेत्रों से आए प्रवासी उत्तराखण्डियों के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन किया। इस दौरान उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए उत्तराखण्ड के विकास में उनके योगदान की सराहना की। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रवासी उत्तराखण्डी केवल राज्य से बाहर रहकर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोग नहीं हैं, बल्कि वे उत्तराखण्ड की संस्कृति, परंपराओं और पहचान के सशक्त प्रतिनिधि भी हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी प्रवासी उत्तराखण्डी रहते हैं, वहां वे अपनी मातृभूमि की सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और जीवन मूल्यों को साथ लेकर चलते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन राज्य और प्रवासी समाज के बीच भावनात्मक संबंधों को और मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। साथ ही नई पीढ़ी को उत्तराखण्ड की भाषा, बोली, लोकगीतों, लोकनृत्यों और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ने में भी मदद मिलती है।



मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार उत्तराखण्ड को विकसित राज्य बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में प्रवासी उत्तराखण्डियों की प्रतिभा, अनुभव, विशेषज्ञता, निवेश और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने प्रवासी उत्तराखण्डियों से राज्य के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान और अनुभव का लाभ राज्य के युवाओं, उद्यमियों और स्थानीय समुदायों तक पहुंचाएं। मुख्यमंत्री ने अपने पैतृक गांवों से जुड़े रहने और उनके विकास में योगदान देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने उन प्रवासी उत्तराखण्डियों की सराहना की, जो अपने गांवों को गोद लेकर विकास कार्यों में सहयोग कर रहे हैं। उनका कहना था कि ऐसे प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में सुविधाओं के विस्तार, रोजगार के अवसर बढ़ाने और रिवर्स पलायन को प्रोत्साहित करने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम के दौरान उत्तराखण्ड की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं।

1980 के दशक में भारत ने मौका गंवाया, चीन आगे निकल गया, जयशंकर ने राजीव गांधी को ठहराया जिम्मेदार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। 1980 के दशक में भारत और चीन की एक जैसी अर्थव्यवस्था थी। हालांकि, आज के समय में यह अंतर काफी बड़ा हो चुका है। भारत की तुलना में चीन काफी मजबूत स्थिति में है। विदेश मंत्री एस जयशंकर से जब इस अंतर पर राय पूछी गई तो उन्होंने इसके लिए देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि 1980 के दशक में भारत ने मौंका गंवा दिया और चीन हमसे आगे निकल गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत–चीन सीमा पर जारी गतिरोध पर भी अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि चीन के साथ लगी सीमा एक तरह से और अधिक सक्रिय हो गई है। जयशंकर ने गलवान का जिक्र करते हुए कहा, "उस सीमा पर हमारी खुद को बनाए रखने और सेना तैनात करने की क्षमता में सुधार हुआ है। मैं कहूंगा कि इसमें काफी महत्वपूर्ण सुधार हुआ है।" 1980 के दशक की शुरुआत में दोनों देशों की कुल जीडीपी लगभग बराबर थी। भारत की जीडीपी करीब 186–200 अरब अमेरिकी डॉलर और चीन की लगभग 300 अरब अमेरिकी डॉलर के आसपास थी। प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी दोनों देशों की स्थिति एक जैसी थी। गरीबी का स्तर भी काफी हद तक एक जैसा था। दोनों ही देशों में कमजोर और सीमित संसाधनों वाले लोगों की संख्या बहुमत में थी। दोनों देशों की औसत आर्थिक विकास दर उस समय करीब 3: से 4: के आसपास बनी हुई थी। चीन ने 1978 में ही देंग शियाओपिंग के नेतृत्व में आर्थिक सुधारों की शुरुआत कर दी थी।



अयोध्या राम मंदिर दर्शन पर अखिलेश यादव का बड़ा बयान

अयोध्या, (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने एचटी लीडरशिप समिट 2026 में राम मंदिर दर्शन को लेकर बड़ा बयान दिया। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री से पूछा गया कि आपको पहले भी अयोध्या जाने का न्योता मिला था मगर आप क्यों नहीं गए? इसके जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, श्कुछ लोगों ने मुझे निमंत्रण दिया था, वे पुरातत्ववादी लोग हैं और उनकी सोच बहुत सीमित है। उस समय मैंने कहा था कि भगवान केदारेश्वर के दर्शन करने के बाद मैं प्रभु श्रीराम के दर्शन करूंगा। यह मेरा संकल्प था। कोई भी सनातनी जब संकल्प लेता है तो उसको पूरा करता है। इसलिए इटावा में केदारेश्वर धाम के दर्शन करने के बाद प्रभु श्रीराम के दर्शन करने जा रहा हूं। हमारी पार्टी के लोगों ने तारीख निकलवार निमंत्रण दिया है। अखिलेश यादव ने कहा कि मैं पीडीए का लगातार विस्तार करता रहता हूं। हर कोई आगे बढ़ना चाहता है। सपा प्रमुख से पूछा गया कि क्या आप राम भक्त हैं? इस सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा, श्बीजेपी के लोग पूछते हैं तो बता दूं कि हमारे घर में शिव हैं, रामगोपाल हैं, पार्टी में अवधेश हैं, पार्टी में ही पवनपुत्र हैं। हमें इतने लोगों का आशीर्वाद मिल रहा है। हाल ही में चुनाव के दौरान प्रभु श्रीराम ने अयोध्या से जो आशीर्वाद दिया है, उसका धन्यवाद देने तो जाना ही पड़ेगा। अगर आशीर्वाद मिला हो तो कौन नहीं झुकेगा। सबसे बड़ी बात है कि भाजपा ने जहां से सांप्रदायिक राजनीति शुरू की थी, वहां अयोध्या के लोगों ने उसे खत्म करने का काम किया है।



तमिलनाडु का पानी रहेगा सुरक्षित - डीके शिवकुमार

कर्नाटक, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि राज्य कावेरी नदी पर मेकेदातु जलाशय परियोजना को आगे बढ़ाना जारी रखेगा क्योंकि उसका इस पर अधिकार है। उन्होंने साथ ही कहा कि कर्नाटक सुनिश्चित करेगा कि तमिलनाडु के हिस्से का पानी सुरक्षित रहे। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद विकास के मुद्दों पर पड़ोसी राज्य तमिलनाडु के साथ सहयोग को रेखांकित करते हुए कहा कि कर्नाटक आवश्यक मंजूरियां लेगा और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार इस परियोजना को आगे बढ़ाएगा। शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, ''राजनीति में हम मुकाबला करेंगे, लेकिन विकास के कार्यों में हम सहयोग करेंगे।'' उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई अपनी बातचीत और कर्नाटक से जुड़े मुद्दों पर हुई चर्चा के संदर्भ में यह बात कही। मेकेदातु परियोजना कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद का विषय रही है। तमिलनाडु इस परियोजना का विरोध कर रहा है और उसकी दलील है कि इससे उसके किसानों के हितों पर असर पड़ेगा। वहीं, कर्नाटक का कहना है कि यह जलाशय बेंगलुरु की पेयजल जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगा और पानी की कमी के समय एक 'बफर' (सुरक्षा उपाय) के रूप में काम करेगा। शिवकुमार ने कहा कि सभी राजनीतिक दल इस बात पर सहमत हैं कि मेकेदातु परियोजना को आगे बढ़ाया जाना चाहिए, और वे वन तथा पर्यावरण संबंधी मंजूरी हासिल करने के लिए केंद्रीय मंत्रालयों को जरूरी दस्तावेज सौंप रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने केंद्र से कस्तूरीरंगन रिपोर्ट को खारिज करने की भी अपील की है। शिवकुमार ने परियोजना पर अपनी टिप्पणियों को लेकर तमिलनाडु की ओर से की गई आलोचना का जवाब देते हुए कहा, ''उन्हें (तमिलनाडु सरकार को) एक प्रतिनिधिमंडल के साथ आने दें। मैं उन्हें दिखाऊंगा और समझाऊंगा कि इस परियोजना से उन्हें कैसे लाभ होगा।'' उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के 177 टीएमसी पानी के अधिकार को स्पष्ट रूप से मान्यता दी है, और कर्नाटक का यह कर्तव्य है कि वह इस अधिकार की रक्षा करे।



संपादकीय

पैमानों का फर्क है

गरीबी में भारी गिरावट का दावा करने वाली विश्व बैंक की रिपोर्ट आने के सिर्फ दो दिन पहले केपीएमजी–इंडिया ने बताया था कि भारत की 35 फीसदी आबादी कुपोषण या खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त है। विश्व बैंक के मुताबिक भारत की अब सिर्फ 2.6 फीसदी आबादी चरम गरीबी की अवस्था में है। विश्व बैंक की चरम गरीबी का फॉर्मूला 2021 के कीमतों के मुताबिक क्रय शक्ति समतुल्यता (पीपीपी) पर प्रति दिन प्रति व्यक्ति खर्च क्षमता तीन डॉलर यानी लगभग 63 रुपये है। बैंक ने कहा कि 2011–23 के बीच भारत में 49 करोड़ 60 लाख लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर लाया गया। अब इस रेखा के नीचे भारत में अब केवल लगभग 14 प्रतिशत आबादी है। बैंक की गरीबी रेखा प्रति दिन पीपीपी 4.2 डॉलर यानी लगभग 87 रुपये है। यानी मासिक तकरीबन 2,700 रुपये। घर में चार व्यक्ति हों, तो जिस परिवार की मासिक आय 10,800 रुपये है, विश्व बैंक की परिभाषा के मुताबिक वह गरीब नहीं है। अब इस रकम में कोई परिवार क्या उपभोग करेगा और उसका जीवन स्तर कैसा होगा, यह अंदाजा लगाया जा सकता है। इस रूप में सोचते हुए इस विडंबना को बेहतर समझा जा सकता है कि विश्व बैंक की ये रिपोर्ट आने के सिर्फ दो दिन पहले मार्केटिंग एजेंसी केपीएमजी–इंडिया ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि भारत की 35.5 प्रतिशत आबादी यानी लगभग 52 करोड़ लोगों को क्रय शक्ति की कमी के कारण स्वस्थ और पौष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। केपीएमजी ने कहा कि भारत के पास अनाज की पर्याप्त उपलब्धता के बावजूद देश की एक तिहाई से ज्यादा आबादी कुपोषण या खाद्य असुरक्षा से ग्रस्त है। तो ऐसे परस्पर विरोधी आंकड़ों को देख कर आम इनसान तो दूर, अर्थव्यवस्था को समझने वाले पढ़े–लिखे लोगों का भी दिमाग चकरा जाए, तो उसे स्वाभाविक ही माना जाएगा। और ऐसा नहीं है कि ऐसे अंतर्विरोध नासमझी या आंकड़ों के अभाव के कारण पैदा होते हैं। अब इस बारे में पर्याप्त अध्ययन है, जिसके मुताबिक चालू नीतियों और जारी आर्थिक सोच को वैध एवं आम जन में स्वीकार्य बनाने के लिए आंकड़ों की व्याख्या के तरीके गुजरे दशकों में इजाद किए गए। और जब मकसद जमीनी हकीकत को समझना नहीं, बल्कि नैटेरिव गढ़ना हो, तो फिर बात ही पलट जाती है। लेकिन नैरेटिव समस्या का समाधान नहीं हैं।

जनगणना के नए नियम पर विवाद

छह साल की देरी से हो रही जनगणना के लिए इसके नियमों में संशोधन किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन आने वाले भारत के महापंजीयक कार्यालय ने जनगणना अधिनियम 1948 की धारा 18 की उपधारा एक के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए जनगणना नियम 1990 में कुछ और बदलाव करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। इनमें प्रस्तावित बदलावों को लेकर कांग्रेस पार्टी ने आपत्ति दर्ज कराई है। कांग्रेस की आपत्तियों पर बात करने से पहले उन दो बदलावों को रेखांकित करने की आवश्यकता है, जो अपनी प्रकृति में बिल्कुल नई हैं। पहला, महापंजीयक कार्यालय ने पहली बार सरकारी स्कूलों व कार्यालयों के कर्मियों के साथ साथ निजी स्कूलों और ट्रस्टों के कर्मियों को भी जनगणना के काम में शामिल करने का प्रस्ताव किया है और दूसरा, किसी सामान्य नागरिक को भी बतौर वॉलंटियर इसमें शामिल करने का प्रस्ताव है। महापंजीयक कार्यालय की ओर से 16 अक्टूबर को जारी अधिसूचना के मुताबिक, ऐसा कोई व्यक्ति, जिसे राज्य सरकार या संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन, प्रगणक के रूप में कर्तव्यों का निष्पादन करने के लिए उपयुक्त समझेय उसे जनगणना के काम में लगाया जा सकता है। कांग्रेस ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति की है। कांग्रेस का कहना है कि राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के लोगों को जनगणना के काम में शामिल करने के लिए यह बदलाव किया जा रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया है कि इस साल 10 से 12 जुलाई को कर्नाटक के बेलगाम में आरएसएस के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया था, जिसका एकमात्र एजेंडा जनगणना 2027 था। उनका कनहा है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 26 मई 2026 को देश की बदलती डेमोग्राफी पर सुझाव देने के लिए एक उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया था। उस कमेटी में सभी सदस्य आरएसएस हैं और उसके सुझाव पर ही जनगणना के नियमों में बदलाव किया जा रहा है। कांग्रेस को आशंका है कि डेमोग्राफी पर बनी कमेटी और आरएसएस के लोगों को जनगणना में शामिल करके एसआईआर की तरह जनगणना के आंकड़ों में भी खतरनाक तरीके से हेरफेर किया जाएगा। हालांकि खतरनाक रूप से क्या हेराफेरी हो सकती है यह कांग्रेस ने नहीं बताया है। फिर भी कांग्रेस की आशंका को आधारहीन बता कर खारिज नहीं किया जा सकता है। लेकिन सवाल है कि क्या भारत में ऐसी एक व्यवस्था की आवश्यकता नहीं है, जहां वालंटियर्स यानी स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं की मदद से जनगणना, मतदाता सूची के पुनरीक्षण, सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे जैसे काम कराए जाएं? ध्यान रहे दुनिया भर के देशों में ऐसी व्यवस्था है। पता नहीं कांग्रेस और दूसरी पार्टियों ने कभी इसका अध्ययन करने का प्रयास किया है या नहीं कि अमेरिका में लगभग पूरा चुनाव वालंटियर्स की देखरेख में होता है। वहां भारत के चुनाव आयोग जैसी कोई केंद्रीय संस्था नहीं है। राज्यों में अपनी अपनी संस्थाएं हैं। लेकिन उनमें भी बहुत लंबी चौड़ी वर्क फोर्स नहीं है और न चुनाव कराने के लिए स्कूलों के शिक्षक व सरकारी कर्मचारियों को बड़े पैमाने पर शामिल किया जाता है। थोड़े से सरकारी कर्मचारी और ढेर सारे वॉलंटियर मिल कर चुनाव कराते हैं। दशकों से ऐसे ही चुनाव होते हैं और डोनाल्ड ट्रंप के आने से पहले किसी ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप भी नहीं लगाए थे। भारत में इस तरह की व्यवस्था बनाने की बहुत आवश्यकता है। भारत में आजादी के बाद से ही तदर्थ प्रक्रिया चल रही है। सरकारी कर्मचारियों को और उसमें भी सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को किसी भी तरह की ड्यूटी में लगा दिया जाता है। मतदाता सूची का श्संक्षिप्तत्व या शविशेष संक्षिप्तत्व या शविशेष गहन्त्य पुनरीक्षण होना है तो सरकारी शिक्षक करेंगे, मतदान कराना है तो सरकारी शिक्षक कराएंगे, मतगणना करनी है तो सरकारी शिक्षक करेंगे, सामाजिक व आर्थिक सर्वे करना हो, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे करना हो, पशुओं की गिनती करनी हो, टीकाकरण करना हो, कोरोना या बाढ़ जैसी कोई महामारी में राहत बांटना हो, सारे काम सरकारी शिक्षकों को करने होते हैं। कुछ दिन पहले ही एक शिक्षक ने सोशल मीडिया में तंज करते हुए कहा कि वह तो अच्छा है कि सरकार कृषि कार्य नहीं कराती है अन्यथा फसलों की बुवाई, कटाई भी सरकारी स्कूल के शिक्षक करते। सचमुच ऐसी ही स्थिति है। इसका सीधा असर शिक्षा व्यवस्था पर पड़ता है। अभी एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है तो राजधानी दिल्ली जैसे राज्य में सैकड़ों स्कूल एक एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों से ये सब काम कराने से साल के कई महीने तक पढ़ाई, लिखाई का काम लगभग पूरी तरह से ठप्प रहता है। सरकार ने अब अनुदान प्राप्त और बिना अनुदान वाले निजी स्कूलों के शिक्षकों को भी इसमें शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। इससे वहां भी सरकारी स्कूलों जैसे ही पढ़ाई प्रभावित होगी। ऐसा लग रहा है कि सरकार स्कूली शिक्षा को पूरी तरह से बरबाद करने का संकल्प किए हुए है।

गर्म होती दुनिया में बढ़ते प्रदूषण से घुटती सांसें की चुनौती

ललित

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की उस कठोर सच्चाई का सामना कर रही है, जिसे कभी भविष्य की आशंका समझा जाता था। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा, बाढ़, चक्रवात, जंगलों की आग, समुद्र के बढ़ते जलस्तर और असामान्य गर्मी अब असाधारण घटनाएं नहीं रह गई हैं। प्रकृति का संतुलन जिस तेजी से बिगड़ रहा है, उसने मानव सभ्यता के सामने अस्तित्व का गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की 9 नवंबर 2026 को जारी स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट 2026 रिपोर्ट इस संकट की भयावहता को वैज्ञानिक आंकड़ों के साथ सामने रखती है। रिपोर्ट के अनुसार 2026 पिछले चार सबसे गर्म वर्षों में शामिल होने की राह पर है और जनवरी से सितंबर तक वैश्विक औसत तापमान 1850–1900 के पूर्व–औद्योगिक औसत से लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। 2015 से 2026 तक के सभी 12 वर्ष रिकॉर्ड के सबसे गर्म वर्ष रहे हैं। यह आंकड़ा केवल तापमान की वृद्धि का आंकड़ा नहीं है, बल्कि मानव जीवन के बढ़ते संकट का संकेत है। समुद्रों में जमा हो रही अतिरिक्त गर्मी, पिघलते ग्लेशियर, बढ़ता समुद्र–स्तर, बढ़ता प्रदूषण और बदलता वर्षा चक्र आने वाले वर्षों की गंभीर चुनौतियों का संकेत दे रहे हैं। डब्ल्यूएमओ के अनुसार महासागर लगातार दसवें वर्ष रिकॉर्ड गर्मी की ओर हैं और 2026 में वैश्विक समुद्र–स्तर भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा है। इस वर्ष की स्थिति इसलिए भी अधिक चिंताजनक है क्योंकि मजबूत अलनीनो विकसित हो रहा है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार अगस्त से अलनीनो तेजी से मजबूत हुआ है और नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के बीच इसकी तीव्रता असाधारण स्तर तक पहुंच सकती है। इसके कारण 2027 में अत्यधिक गर्मी, सूखा और भारी वर्षा जैसी चरम मौसमी घटनाओं का जोखिम बढ़ सकता है। अर्थात खतरा केवल आज का नहीं है। आने वाला वर्ष भी मानवता को प्रकृति के कठोर रूप का सामना करा सकता है। यही कारण है कि जलवायु परिवर्तन को केवल पर्यावरण मंत्रालयों या अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का विषय मानना अब गंभीर भूल होगी। यह स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, रोजगार, जलस्रोत, आवास और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। जलवायु संकट की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इसका सबसे बड़ा बोझ उन देशों और समुदायों पर पड़ रहा है, जिनका ऐतिहासिक कार्बन उत्सर्जन अपेक्षाकृत कम रहा है। विकासशील और गरीब देशों के सामने एक साथ दो चुनौतियां हैं–विकास की आवश्यकताओं को पूरा करना और जलवायु संकट से स्वयं को बचाना। दशकों तक विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के नाम पर बड़े पैमाने पर जीवाश्म ईंधन का इस्तेमाल किया। आज जब विकासशील देश आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ रहे हैं, उनसे उत्सर्जन कम करने की अपेक्षा की जाती है। इसलिए जलवायु न्याय का प्रश्न अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि वैश्विक समुदाय वास्तव में समाधान चाहता है तो विकासशील देशों को स्वच्छ ऊर्जा, हरित प्रौद्योगिकी, अनुकूलन और आपदा–रोधी ढांचे के लिए पर्याप्त वित्तीय एवं तकनीकी सहायता देनी होगी। इसी संदर्भ में तुर्किये के अंताल्या में चल रहा सीओपी–31 महत्वपूर्ण है। सम्मेलन 9 से 20 नवंबर 2026 तक हो रहा है और इसका घोषित उद्देश्य जलवायु समाधानों के क्रियान्वयन तथा वैश्विक ऊर्जा संक्रमण को गति देना है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इस बार दुनिया घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्रवाई करेगी? पिछले अनेक जलवायु सम्मेलनों में महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित हुए, लेकिन वास्तविक क्रियान्वयन की गति अपेक्षाकृत धीमी रही। आज आवश्यकता नए संकल्पों की संख्या बढ़ाने की नहीं, बल्कि पुराने संकल्पों को धरातल पर उतारने की है। विकसित देशों को वित्तीय दायित्वों को गंभीरता से लेना होगा। विकासशील देशों को तकनीक और संसाधन उपलब्ध कराने होंगे। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाकर सौर, पवन, जल और अन्य स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को तेजी से बढ़ाना होगा। शहरों की नियोजन व्यवस्था, सार्वजनिक परिवहन, भवन निर्माण, कृषि और उद्योग–हर क्षेत्र को जलवायु अनुकूल बनाना होगा। क्योंकि अब सवाल यह नहीं है कि जलवायु परिवर्तन हो रहा है या नहीं। सवाल यह है कि हम इसके सामने कितनी जल्दी और कितनी ईमानदारी से खड़े होते हैं। भारत के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है। देश एक ओर बढ़ती गर्मी, अनियमित मानसून, बाढ़ और सूखे का सामना कर रहा है, तो दूसरी ओर महानगरों में वायु प्रदूषण ने स्वास्थ्य संकट को गहरा कर दिया है। दिल्ली–एनसीआर में दीपावली के आसपास प्रदूषण का जो भयावह स्तर देखने को मिला, उसने स्पष्ट कर दिया कि वायु केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि अब स्वास्थ्य का सबसे बड़ा संकट भी बन सकती है। लोगों को आंखों में जलन, गले में खराश, सांस लेने में कठिनाई, खांसी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों और चिकित्सकों पर दबाव बढ़ता है। यह स्थिति केवल मौसमी परेशानी नहीं मानी जा सकती। वायु प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन एक–दूसरे से अलग संकट नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग दोनों समस्याओं को बढ़ाता है। इसलिए दिल्ली की जहरीली हवा और दुनिया के बढ़ते तापमान के बीच एक गहरा संबंध है। कोविड–19 के दौरान भारत ने अभूतपूर्व स्वास्थ्य आपातस्थिति का सामना किया



था। उस समय प्रशासन, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज और आम जनता ने मिलकर संकट का सामना किया। आज वायु प्रदूषण को लेकर भी वैसी ही गंभीरता की आवश्यकता है। इसका अर्थ केवल औपचारिक रूप से आपातकाल घोषित करना नहीं, बल्कि जन–स्वास्थ्य केंद्रित आपातकालीन कार्ययोजना तैयार करना है। दिल्ली–एनसीआर में प्रदूषण के अत्यधिक स्तर पर स्कूलों, निर्माण गतिविधियों, यातायात, औद्योगिक उत्सर्जन, पराली और कचरा जलाने आदि को लेकर तत्काल और समन्वित कार्रवाई होनी चाहिए। अस्पतालों को तैयार रखना, संवेदनशील नागरिकों के लिए स्वास्थ्य परामर्श, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना और प्रदूषण के स्रोतों पर वास्तविक नियंत्रण आवश्यक है। भारत सरकार को राज्यों के साथ मिलकर ऐसी स्थायी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रदूषण को केवल सर्दियों की समस्या न समझा जाए। वर्षभर वायु गुणवत्ता की निगरानी, उत्सर्जन नियंत्रण और स्वास्थ्य प्रभावों का वैज्ञानिक आकलन होना चाहिए। भारत के पास दुनिया को केवल तकनीकी समाधान देने की ही नहीं, बल्कि जीवन–दृष्टि देने की भी क्षमता है। भारतीय संस्कृति ने सदियों पहले प्रकृति को उपभोग की वस्तु नहीं, बल्कि जीवन का सहचर माना। जैन दर्शन का अहिंसा और अपरिग्रह का संदेश आज जलवायु संकट के दौर में अत्यंत प्रासंगिक हो सकता है। आवश्यकता से अधिक उपभोग, अंधाधुंध संसाधन–दोहन और प्रकृति पर प्रभुत्व की मानसिकता को बदलना होगा। हमें विकास और पर्यावरण को परस्पर विरोधी मानने की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। ऐसा विकास चाहिए जो रोजगार दे, अर्थव्यवस्था को गति दे, लेकिन हवा, पानी, मिट्टी और जंगलों को नष्ट न करे।

विश्व बैंक के ताजा आंकलन के अनुसार भारत में घट रही है गरीबी



प्रह्लाद

हाल ही में विश्व बैंक ने एक प्रतिवेदन जारी कर बताया है कि भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या तेजी से घट रही है। केंद्र सरकार की आर्थिक सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती शमिका रवि ने भी अपने एक रिसर्च पेपर में बताया है कि भारत में 10 वर्ष पूर्व तक गरीबी आंकलन के लिए सुरेश तेंदुलकर समिति की सिफारिशों के आधार पर विचार किया जाता था। इन सिफारिशों के अनुसार भारतीय नागरिकों को पूर्व निर्धारित स्तर तक कैलोरी प्राप्त करने हेतु होने वाले खर्च से यदि अधिक आय है तो उसे गरीबी की रेखा से ऊपर मान लिया जाता था। कैलोरी की आवश्यकता शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में निवासरत नागरिकों के लिए अलग अलग स्तर पर तय की जाती थी, इसे खाद्य गरीबी की संज्ञा भी दी जाती थी। इसके बाद, रंगराजन समिति की सिफारिशों के आधार पर गरीबी का आंकलन किया जाने लगा, जिसमें खाद्य सामग्री, स्वास्थ्य, कपड़ा, मकान, शिक्षा आदि को जोड़ा गया है। भारत में वर्ष 2011–12 में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, देश की कुल जनसंख्या का, 29.5 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023–24 में घटकर 3.9 प्रतिशत रह गई है। यह एक अतुलनीय उपलब्धि मानी जा रही है। पूरे भारत वर्ष में ही गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में कमी दृष्टिगोचर हुई है। विश्व बैंक के ही एक अन्य अनुमान के अनुसार, भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या, (अर्थात 3 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन की आय वाले नागरिक) वर्ष 2011 में 27 प्रतिशत थी जो वर्ष 2023 में घटकर 2.6 प्रतिशत हो गई है। जबकि, 4.2 अमेरिकी डॉलर तक की प्रतिदिन आय वाले नागरिकों की संख्या वर्ष 2011 के 57.7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 16.1 प्रतिशत रह गई है, जिसके वर्ष 2026 में 14.2 प्रतिशत एवं वर्ष 2028 में 12.1 प्रतिशत तक नीचे रहने का अनुमान विश्व बैंक द्वारा लगाया गया है। एक प्रश्न पूछा जाता है कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में यदि इतनी कमी आई है तो फिर गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत देश के 85 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज क्यों उपलब्ध कराया जा रहा है। केंद्र सरकार के साथ साथ राज्य सरकारों द्वारा भी गरीब वर्ग की सहायता के लिए विशेष योजनाएं क्यों चलाई जा रही है। इस प्रश्न के उत्तर में यह तर्क दिया जा रहा है कि उक्त योजनाओं के माध्यम से गरीब वर्ग को सामाजिक एवं खाद्य सुरक्षा प्रदान की जा रही है। इससे गरीब परिवारों को खाद्य सामग्री पर कम खर्च करना पड़ रहा है और इस मद से हुई बचत को गरीब वर्ग अपने सामाजिक स्तर में सुधार पर खर्च करने लगा है। भारत में हाल ही के समय में गरीब वर्ग की खाद्य सामग्री में फल, दूध, पनीर, दूध से बने अन्य पदार्थ, अंडे, आदि भी शामिल हो गए हैं। इससे गरीब वर्ग के पोषण एवं स्वास्थ्य में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। इसके साथ ही, पूर्व में केंद्र सरकार को भारी मात्रा में अन्न का स्टॉक रखना पड़ता था। अन्न के स्टॉक को, बहुत बड़ी मात्रा में, चूहे नुक्सान पहुंचाते थे एवं वर्षा ऋतु में भी अन्न का भारी मात्रा में नुक्सान होता था। अब, चूंकि गेहूं एवं चावल जैसी खाद्य सामग्री को गरीब जनता के बीच सहायता के रूप में बांट दिया जाता है, इससे देश में अन्न की बचत ही हो रही है। केंद्र सरकार के अन्न को स्टोर करने की मद पर भी खर्च बहुत कम हो गया है। आज भारत में गरीब वर्ग भी गेहूं एवं चावल के स्थान पर पोषण सामग्री का अधिक उपयोग कर रहा है। 12 वर्ष पूर्व, भारत में 63 प्रतिशत नागरिकों द्वारा ताजे फलों का सेवन किया जाता था, आज यह संख्या बढ़कर 90 प्रतिशत तक पहुंच गई है। देश में दालों एवं फलों जैसी खाद्य सामग्री का उपयोग लगातार बढ़ रहा है। देश में बेरोजगारी की दर में भी भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। भारत में बेरोजगारी की दर अब घटकर 3.1 प्रतिशत तक नीचे आ गई है। परंतु, विभिन्न राज्यों के बीच बेरोजगारी की दर में भारी अंतर दिखाई दे रहा है। गुजरात में बेरोजगारी की दर केवल 0.9 प्रतिशत है तो छतीसगढ़ में केवल 1.9 प्रतिशत है। परंतु केरल में 12 प्रतिशत है तो हिमाचल प्रदेश में 17 प्रतिशत है। इतना बड़ा अंतर, राज्यों द्वारा निर्धारित की जा रही व्यापार की नीतियों में अंतर के चलते दिखाई दे रहा है। जिस प्रदेश की व्यापार एवं उद्योगों की नीतियां, व्यापारियों एवं उद्योगों के अधिक हित में हैं, उन प्रदेशों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित हो रहे हैं। आज भारत का युवा वर्ग अच्छी सरकारी नौकरी की तलाश में अधिक समय व्यतीत करने लगा है इसके कारण 18 से 30 वर्षों की उम्र के युवाओं में बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है जबकि 30 वर्ष से अधिक उम्र के नागरिकों में बेरोजगारी की दर बहुत कम है। 30 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही युवाओं को आभास होने लगता है कि अब तो जो भी रोजगार मिले उसे प्राप्त करना ही बेहतर है। इसी प्रकार, लगभग 10वीं कक्षा तक शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत कम है परंतु स्नातक एवं स्नात्तकोतर तक की शिक्षा गृहण करने वाले युवाओं के बीच बेरोजगारी की दर बहुत अधिक है। क्योंकि, अधिक पढ़ा लिखा वर्ग सरकारी नौकरी ढूंढने में अपना अधिक समय बर्बाद कर देता है। जबकि कम पढ़ा लिखा युवा सरकारी नौकरी के चक्कर से अपने आप को दूर रखते हुए जो भी रोजगार के अवसर उसे प्राप्त होता है उसे स्वीकार कर लेता है। केरल, पंजाब एवं गोवा राज्यों में रोजगार के अधिक अवसर निर्मित नहीं हो पा रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में सरकारी नीतियां ही इसके लिए जिम्मेदार मानी जा रही है। जबकि, गुजरात, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश आदि राज्यों में रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित हो रहे हैं क्योंकि इन प्रदेशों में वातावरण व्यापार एवं उद्योगों के लिए सहायक है। उक्त कारणों के चलते ही भारत का पश्चिमी एवं दक्षिणी भाग, उत्तरी एवं पूर्वी भाग की तुलना में अधिक तेजी से विकास कर रहा है। भारत की कुल जनसंख्या में से लगभग 60 प्रतिशत नागरिक ही श्रम के रूप में अपनी भागीदारी प्रदान कर रहे हैं जबकि वियतनाम में 70 प्रतिशत, बांग्लादेश में 67 प्रतिशत है। अर्थात, जितने अधिक नागरिकों को रोजगार उपलब्ध होगा देश के आर्थिक विकास में नागरिकों की भागीदारी उतनी अधिक होगी। हर्ष का विषय है कि भारत के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की श्रम में भागीदारी लगातार बढ़ रही है।

घुसपैठ के लिए मशहूर बांग्लादेश के लिए सिरदर्द बने रोहिंग्या घुसपैठिये, म्यांमार सीमा पर नियंत्रण खो चुका है ढाका

नीरज

खुद घुसपैठ की समस्या को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाला बांग्लादेश आज रोहिंग्या घुसपैठियों की एक ऐसी बड़ी चुनौती से जूझ रहा है, जिसने उसकी आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और सीमा प्रबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। म्यांमार से लगी सीमा पर हालात लगातार विस्फोटक होते जा रहे हैं। एक तरफ म्यांमार के रखाइन प्रांत में सशस्त्र संगठन अराकान आर्मी का प्रभाव बढ़ रहा है, तो दूसरी तरफ हिंसा और विस्थापन से परेशान रोहिंग्या परिवार बांग्लादेश में दाखिल होने के रास्ते तलाश रहे हैं। हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि बांग्लादेश को म्यांमार की केंद्रीय सत्ता के बजाय अराकान आर्मी से भी बातचीत करनी पड़ रही है। यहां सवाल उठता है कि क्या बांग्लादेश म्यांमार बॉर्डर पर अपना नियंत्रण खोता जा रहा है? क्या उसकी सीमा अब केवल शरणार्थियों की आवाजाही का रास्ता बनकर रह गई है? और क्या रोहिंग्या संकट आने वाले समय में बांग्लादेश के लिए एक बड़े आंतरिक सुरक्षा संकट का रूप लेने जा रहा है? हम आपको बता दें कि बांग्लादेश सरकार के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने 11 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र की म्यांमार संबंधी विशेष रैपोर्टियर केली ई. करी से मुलाकात के दौरान एक बेहद गंभीर आंकड़ा सामने रखा। उनके मुताबिक बांग्लादेश में रोहिंग्या शरणार्थियों की संख्या 15 लाख से अधिक हो चुकी है। दिलचस्प बात यह है कि सरकारी रिकॉर्ड में संख्या इससे कम दर्ज है, लेकिन वास्तविक स्थिति कहीं ज्यादा बड़ी बताई जा रही है। इनमें से अधिकांश रोहिंग्या कॉक्स बाजार के शिविरों में रह रहे हैं। ये वे लोग हैं जो अगस्त 2017 में म्यांमार की सैन्य कार्रवाई के बाद अपना घर छोड़कर बांग्लादेश पहुंचे थे। बांग्लादेश के गृह मंत्री ने साफ कहा कि इतने बड़े शरणार्थी समुदाय को लंबे समय तक अपने यहां रखने से देश की अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है। ढाका ने अब अंतरराष्ट्रीय समुदाय से म्यांमार पर समन्वित कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग की है। ढाका में सवाल उठ रहा है कि बांग्लादेश आखिर कब तक इस आबादी का बोझ उठाएगा? जब शरणार्थियों की वापसी का कोई ठोस रास्ता नहीं दिख रहा और सीमा पार हिंसा लगातार जारी है, तब ढाका के सामने संकट और गहराता जा रहा है। साथ ही बांग्लादेश की सबसे बड़ी परेशानी यह है कि म्यांमार के रखाइन प्रांत में अब वहां की सैन्य सरकार का नियंत्रण पहले जैसा नहीं रह गया है। अराकान आर्मी ने बड़े भूभाग पर अपना कब्जा जमा लिया है और बांग्लादेश से लगी सीमा के बड़े हिस्से पर भी उसका प्रभाव है। यानी बांग्लादेश के सामने अब एक ऐसी ताकत खड़ी है, जो म्यांमार की आधिकारिक सरकार नहीं है, लेकिन सीमा के दूसरी तरफ वास्तविक नियंत्रण उसी का है। यही वजह है कि बांग्लादेश की विदेश मामलों की राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने 8 नवंबर को खुलासा किया कि ढाका म्यांमार की सैन्य सरकार के साथ–साथ अराकान आर्मी से भी बातचीत कर रहा है। रोहिंग्याओं की वापसी के लिए एक राष्ट्रीय रणनीति बनाने वाली समिति गठित की गई है और इस समिति के तहत दोनों पक्षों से संपर्क साधा जा रहा है। देखा जाये तो यह घटनाक्रम अपने आप में बांग्लादेश की कूटनीतिक मजबूरी को उजागर करता है। जिस संगठन के नियंत्रण वाले इलाके से रोहिंग्याओं का पलायन हो रहा है, उसी संगठन से अब बांग्लादेश को बातचीत करनी पड़ रही है। यह संकेत है कि म्यांमार की सीमा पर सत्ता और नियंत्रण का समीकरण पूरी तरह बदल चुका है। साथ ही सीमा पर बिगड़ते हालात का ताजा उदाहरण 38 रोहिंग्याओं की गिरफ्तारी है। बुधवार की रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश के बॉर्डर गार्ड्स ने टेकनाफ इलाके में म्यांमार से मछली पकड़ने वाली नाव के जरिए पहुंचे 38 रोहिंग्याओं को हिरासत में लिया। इनमें आठ पुरुष, 14 महिलाएं और 16 बच्चे



शामिल थे। रिपोर्ट के मुताबिक इन लोगों को नाव के जरिए बांग्लादेश लाने के लिए मोटी रकम वसूली गई थी। नाव से उतरने के बाद उन्हें एक स्थानीय महिला के घर में ठहराया गया था। सूचना मिलने पर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने छापा मारकर सभी को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने कानूनी कार्रवाई शुरू करने की पुष्टि की है। यह घटना बताती है कि म्यांमार में जारी हिंसा अब बांग्लादेश की सीमा पर किस तरह दबाव बना रही है। घुसपैठ के लिए केवल जमीन का रास्ता ही नहीं, बल्कि समुद्री मार्ग भी इस्तेमाल हो रहा है। स्थानीय नाव मालिकों और बिचौलियों की भूमिका इस समस्या को और गंभीर बनाती है। देखा जाये तो रोहिंग्या संकट अब केवल शरणार्थियों को भोजन, आवास और चिकित्सा उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं रह गया है। कॉक्स बाजार में बड़ी संख्या में शरणार्थियों की मौजूदगी ने स्थानीय संसाधनों, रोजगार और सामाजिक व्यवस्था पर दबाव बढ़ाया है। इसके साथ ही अवैध आवाजाही, मानव तस्करी और संगठित घुसपैठ के नेटवर्क की आशंकाएं भी सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती हैं। साथ ही म्यांमार के रखाइन प्रांत में अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्या समुदाय पर हिंसा, जबरन विस्थापन और आवाजाही पर पाबंदियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ब्रिटिश सरकार की जनवरी 2026 की देश संबंधी रिपोर्ट में भी अराकान आर्मी के नियंत्रण वाले इलाकों में रोहिंग्याओं के उत्पीड़न, मनमानी गिरफ्तारियों और आवाजाही पर प्रतिबंधों का उल्लेख है। रिपोर्ट के मुताबिक 2024 और 2025 के दौरान हिंसा के कारण दो लाख तक रोहिंग्या बांग्लादेश पहुंचे। ऐसे में बांग्लादेश के लिए मुश्किल दोहरी है। एक तरफ पहले से मौजूद 15 लाख से अधिक लोगों का बोझ है, दूसरी तरफ म्यांमार में जारी संघर्ष नए लोगों को सीमा पार करने के लिए मजबूर कर रहा है। यदि यह सिलसिला जारी रहा तो शरणार्थी शिविरों का विस्तार, सुरक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन पर दबाव और बढ़ सकता है। उधर, बांग्लादेश अब इस संकट से निकलने के लिए भारत, चीन, अमेरिका और यूरोपीय संघ जैसे प्रभावशाली पक्षों से म्यांमार पर कूटनीतिक दबाव बनाने की मांग कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र की विशेष रैपोर्टियर केली करी के साथ बैठक में भी यह मुद्दा प्रमुखता से उठा। संयुक्त राष्ट्र की ओर से रोहिंग्याओं को उनके देश में नागरिकता और बुनियादी अधिकार दिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। 19 नवंबर को अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में रोहिंग्या नरसंहार से जुड़े मामले में अपेक्षित फैसले को भी बांग्लादेश अहम मान रहा है। हालांकि, किसी भी अंतरराष्ट्रीय फैसले से अपने आप रोहिंग्याओं की वापसी सुनिश्चित नहीं हो जाएगी। इसके लिए म्यांमार के भीतर वास्तविक राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियों में बदलाव जरूरी होगा।

दीपावली मिलन समारोह में लिट्टी-चोखा, विश्वकर्मा समाज ने दिया एकता और भाईचारे का संदेश



मुंबई ब्यूरो चीफ धनन्जय विश्वकर्मा।

मुंबई/विरार। दीपावली के पावन अवसर पर विश्वकर्मा समाज की एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाने के उद्देश्य से वरिष्ठ समाजसेवी एवं विश्वकर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष रामा विश्वकर्मा द्वारा भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। शुक्रवार को विरार के समीप खानीवणी स्थित उनके फार्म हाउस पर आयोजित इस समारोह में मुंबई सहित विभिन्न स्थानों और उत्तर प्रदेश के कई जिलों से आए समाज के लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण पारंपरिक और लोकप्रिय व्यंजन लिट्टी-चोखा रहा। खुले एवं प्राकृतिक वातावरण में सभी ने मिल-जुलकर लिट्टी-चोखा बनाया और उसका आनंद लिया। इस आयोजन ने न केवल दीपावली की खुशियों को साझा करने का अवसर दिया, बल्कि समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय लोगों को एक-दूसरे से परिचित होने और आपसी संबंध मजबूत करने का मंच भी प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि रामा विश्वकर्मा प्रतिवर्ष दीपावली मिलन समारोह के माध्यम से समाज के लोगों को एक मंच पर आमंत्रित करते हैं। उनका उद्देश्य विभिन्न संस्थाओं और संगठनों से जुड़े लोगों के बीच आपसी परिचय, सहयोग और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर परविंदर विश्वकर्मा ने कहा कि रामा विश्वकर्मा समाज सेवा के प्रति तन-मन-धन से समर्पित रहते हैं। मुंबई के अलग-अलग क्षेत्रों से आए समाज के लोगों को एक साथ मिलकर अपना परिचय देते देखना बेहद सुखद अनुभव रहा। इससे समाज की सक्रियता और संगठनात्मक मजबूती का भी परिचय मिलता है। वहीं, एकार्थी फाउंडेशन के अध्यक्ष दिनेश विश्वकर्मा ने कहा कि मुंबई में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से विश्वकर्मा समाज के परिवार वर्षों से निवास कर रहे हैं। समाज की कई संस्थाएं भी सक्रिय हैं, लेकिन इन संस्थाओं और उनके सदस्यों को एक मंच पर लाकर आपसी परिचय कराने का सराहनीय कार्य रामा विश्वकर्मा कर रहे हैं। समाज के अन्य लोगों और संस्थाओं को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि आपसी भाईचारा और एकता और अधिक मजबूत हो सके। कार्यक्रम के आयोजक एवं विश्वकर्मा चौरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष रामा विश्वकर्मा ने समारोह में उपस्थित सभी अतिथियों और समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने अपने परिवार की एकजुटता और आपसी सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि उनके परिवार के सभी सदस्य प्रेम और सद्भाव के साथ रहते हैं। परिवार में हर कार्य आपसी सहमति से किया जाता है। उन्होंने कहा कि आज उनकी सफलता के पीछे परिवार का सहयोग और समाज के लोगों का आशीर्वाद है। उनकी कामना है कि हर परिवार में ऐसा ही प्रेम, सहयोग और एकता बनी रहे। इस अवसर पर राष्ट्रीय हिन्दू धर्म संगठन के अध्यक्ष सुनील सिंह ने रामा विश्वकर्मा की प्रशंसा करते हुए कहा कि रामा विश्वकर्मा वास्तव में समाज के रत्न हैं। उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वे सामाजिक और नैतिक कार्यों में मनोबल बढ़ाने, साहस देने तथा सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। दीपावली मिलन समारोह का यह आयोजन आपसी प्रेम, सद्भाव, पारिवारिक संस्कार और सामाजिक एकता का सुंदर उदाहरण बना। लिट्टी-चोखा के स्वाद के साथ लोगों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और समाज को संगठित एवं मजबूत बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षाओं की तैयारियों की हुई समीक्षा

परीक्षा नियंत्रक ने समर्थ टीम के साथ की बैठक, परीक्षा केंद्र आवंटन एवं प्रवेश पत्र जारी करने की प्रक्रिया शीघ्र पूरी करने के दिए निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षाओं को सुचारु एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इसी क्रम में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के निर्देश पर शनिवार को परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने समर्थ टीम के साथ बैठक कर परीक्षा संबंधी तैयारियों एवं कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक के दौरान परीक्षा नियंत्रक ने समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित परीक्षा संबंधी विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा आवेदन पत्रों के निस्तारण, परीक्षा केंद्रों के आवंटन, प्रवेश पत्र जारी करने तथा परीक्षा संचालन से जुड़ी अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं की प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित सदस्यों से कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर सभी प्रक्रियाओं को पूरा करने के निर्देश दिए। परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि आगामी विषम सेमेस्टर परीक्षाएं 20 नवंबर 2026 से प्रारंभ होनी हैं। ऐसे में परीक्षा से संबंधित सभी तैयारियों को समय रहते पूरा करना आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से परीक्षा केंद्र आवंटन एवं विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र जारी करने की प्रक्रिया को अतिशीघ्र पूर्ण करने पर जोर दिया, ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा से पहले किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। परीक्षा नियंत्रक ने समर्थ टीम को निर्देशित किया कि सभी कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए प्रगति से अवगत कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में परीक्षाओं का संचालन व्यवस्थित ढंग से कराने के लिए प्रत्येक स्तर पर आवश्यक समन्वय बनाए रखा जाए। इस अवसर पर समर्थ टीम के सदस्य डॉ. सत्यम कुमार उपाध्याय, अशोक कुमार यादव, दिलीप कुमार यादव, डॉ. अखिलेश कुमार विश्वकर्मा, डॉ. रामांशु पी. सिंह, डॉ. विशाल, डॉ. नितिन, शीलनिधि सिंह एवं सूर्य प्रकाश पाल उपस्थित रहे।

939 मोबाइल फोन बरामद, सात गिरफ्तार

जौनपुर। बक्शा पुलिस ने चोरी एवं संदिग्ध मोबाइल फोन की खरीद-फरोख्त करने वाले एक अंतर्जनपदीय गिरोह का खुलासा करते हुए सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 939 मोबाइल फोन, 272 सिम कार्ड, 40 बोरी मोबाइल स्क्रैप पार्ट्स और 24 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार गिरोह चोरी और अन्य माध्यमों से कम कीमत पर मोबाइल फोन खरीदकर उन्हें एक स्थान पर इकट्ठा करता था। इसके बाद पुराने और खराब मोबाइलों के मदरबोर्ड, डिस्प्ले, कैमरा समेत अन्य उपयोगी पार्ट्स अलग कर उन्हें असेंबल किया जाता था। पूछताछ में सामने आया कि तैयार किए गए मोबाइल फोन हसीम खान उर्फ वसीम के माध्यम से दिल्ली में अलग-अलग पार्टियों को बेचे जाते थे। पुलिस के अनुसार, सौरभ गुप्ता और कामेश गुप्ता के किराये के मकान में बड़ी संख्या में मोबाइल फोन इकट्ठा किए जाते थे। गिरोह के सदस्य मोबाइल के उपयोगी पार्ट्स निकालकर कस्टमाइज्ड और क्लोन फोन तैयार करते थे। पूछताछ में आरोपितों ने मोबाइलों के संबंध में कोई वैध रसीद या दस्तावेज नहीं होने की बात स्वीकार की है। पुलिस को आशंका है कि इनका इस्तेमाल फर्जी कॉल, लिंक और अन्य साइबर अपराधों में किया जा सकता था। हालांकि, साइबर अपराध में इनके वास्तविक इस्तेमाल की अभी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मोबाइल फोन के आईएमईआई, सिम कार्ड और डिजिटल डेटा की तकनीकी जांच कर संभावित नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है।सात आरोपित गिरफ्तार आरोपितों में सौरभ गुप्ता और कामेश गुप्ता निवासी उमरपुर शिवगुलामगंज, बक्शा, जौनपुरय संजय सिंह निवासी गोधेपुर, कानपुर देहातय अजय नायक निवासी परतापुर, औरैयाय अखिलेश नायक निवासी रामनगर, कन्नौज संजय सिंह निवासी आरामऊ, कानपुर देहात और हसीम खान उर्फ वसीम निवासी आशियाना कॉलोनी, मेरठ शामिल हैं।

रोटावेटर में फंसने से जवान का पैर कटा

जौनपुर। थानागद्दी चौकी अंतर्गत गोपालपुर भितरी गांव में शुक्रवार को दर्दनाक हादसे में अग्निवीर जवान गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रैक्टर के रोटावेटर में फंसने से उनके दोनों पैर कट गए।गोपालपुर भितरी गांव निवासी सुनील यादव के पुत्र राज यादव एक वर्ष पूर्व अग्निवीर के तहत सेना में भर्ती हुए थे। इन दिनों वह छुट्टी पर घर आए हुए थे। शुक्रवार को गांव में ट्रैक्टर से जुताई का कार्य हो रहा था। इसी दौरान ट्रैक्टर पर चढ़ते-उतरते समय अचानक उनका पैर रोटावेटर की चपेट में आ गया। हादसे में उनके दोनों पैर गंभीर रूप से कट गए। घटना के बाद आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया।

पीटकर रूपया छीना और झाड़ी में ढकेला

जौनपुर। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चांदमारी वाजिदपुर में लखनऊ से दवा लेकर लौट रहे वृद्ध को बदमाशों ने पीट कर नगदी रुपए और मोबाइल फोन छीन लिया है। बताया गया है कि मरियाहू कोतवाली क्षेत्र के सुदनीपुर गांव निवासी श्रीराम यादव शुक्रवार रात्रि लगभग 9:30 बजे शटल एक्सप्रेस ट्रेन से सिटी स्टेशन उतरकर अपने भतीजे के घर जा रहे थे। जब वह वाजिदपुर के पास से गुजर रहे थे कि इस समय तीन व्यक्ति अज्ञात ने घेर लिया और वृद्ध पर तीनों प्रहार करने लगे। हमले से बचने के लिए वृद्ध नेष्शोर लेकिन उसे सुनसान और स्थान पर उसकी सुनने वाला कोई नहीं आया। तीनों बदमाशों ने उन्हें मारपीट कर उनके पास रहे 5 हजार रूपयें और मोबाइल फोन छीन लिया और उन्हें पास की झाड़ी में धकेल दिया। कुछ देर बाद वह किसी तरह साहस जुटाकर किसी तरह अपने भतीजे के घर पहुंचे। घटना की जानकारी तुरंत 112 पर पुलिस को दिया गया। पुलिस में घटना की जानकारी थाने को दिया जहां पुलिस ने पहुंचकर घायल को जिला अस्पताल पहुंचाया लेकिन ना तो उसकी चिकित्सकिय परिक्षण कराया गया और ना ही उनकी एफआईआर दर्ज की गई।

भूमि विवादों के के लिए संयुक्त टीम बनाने के निर्देश

जौनपुर। थाना दिवस के अवसर पर शनिवार को जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह थाना जलालपुर पहुंचे। यहां दोनों अधिकारियों ने फरियादियों की शिकायतें और समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि थाना दिवस में प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लिया जाए। विशेषकर भूमि विवाद और राजस्व से जुड़े मामलों में राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम मौके पर पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण करे और निष्पक्ष तरीके से समस्या का समाधान सुनिश्चित कराए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फरियादियों को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को शिकायतों का निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ निस्तारण करने तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने घाटों और आसपास के क्षेत्रों में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती, भीड़ प्रबंधन और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर जोर दिया।

चोरी के मोबाइल खरीदकर दिल्ली में बेचने वाले अंतरजनपदीय गिरोह के सात सदस्य गिरफ्तार, 939 मोबाइल बरामद

बक्शा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 272 फर्जी सिम कार्ड और 40 बोरी मोबाइल स्क्रैप पार्ट्स भी मिले

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बक्शा पुलिस ने चोरी के मोबाइल फोन खरीदकर उनके पार्ट्स अलग करने और दिल्ली में बेचने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सात सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 939 मोबाइल फोन, 272 सिम कार्ड, 40 बोरी मोबाइल स्क्रैप पार्ट्स, 24 हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद मोबाइल फोन में 134 एंड्रॉयड और 805 की-पैड फोन शामिल हैं। शनिवार को मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में अपराधियों और साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बक्शा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान सौरभ गुप्ता और कामेश गुप्ता निवासी उमरपुर शिवगुलामगंज, बक्शा (जौनपुर), संजय सिंह निवासी कानपुर देहात, अजय नायक निवासी औरैया, अखिलेश नायक निवासी कन्नौज, संजय सिंह निवासी कानपुर देहात और हसीम खान उर्फ वसीम निवासी मेरठ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि वे चोरी और अन्य माध्यमों से प्राप्त मोबाइल फोन कम कीमत पर खरीदते थे। बड़ी संख्या में मोबाइल एकत्र होने पर उन्हें सौरभ और कामेश के किराये के मकान में रखा जाता था। इसके बाद पुराने और खराब मोबाइलों के मदरबोर्ड, डिस्प्ले, कैमरा सहित उपयोगी पार्ट्स अलग कर उन्हें असेंबल किया जाता था। तैयार मोबाइल फोन हसीम खान उर्फ वसीम के माध्यम से दिल्ली में अलग-अलग लोगों को बेचे जाते थे। अभियुक्तों के पास इन मोबाइल फोन की खरीद से संबंधित कोई वैध दस्तावेज या रसीद नहीं मिली। पुलिस को आशंका है कि बरामद मोबाइल फोन, सिम कार्ड और उनके पार्ट्स का इस्तेमाल साइबर अपराध तथा ऑनलाइन ठगी में किया जा सकता था। सिम कार्ड, आईएमईआई और डिजिटल डेटा की तकनीकी जांच कराई जा रही है, ताकि साइबर अपराध से जुड़ी संभावित कड़ियों का पता लगाया जा सके। इस मामले में थाना बक्शा में मुकदमा अपराध संख्या 571ध्2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

जागरूकता अपनाएं, मधुमेह पर नियंत्रण पाएं - प्रो. नगमा यासमीन

विश्व मधुमेह दिवस पर छात्राओं ने दिया जागरूकता का संदेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मोहम्मद हसन पीजी कॉलेज, जौनपुर के गृह विज्ञान विभाग द्वारा 14 नवंबर को विश्व मधुमेह दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम "मधुमेह के प्रति समय रहते कदम उठाना" रखी गई। कार्यक्रम में भाषण एवं पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।



इस अवसर पर शिक्षिका प्रो. नगमा यासमीन ने अपने उद्बोधन में कहा कि मधुमेह वर्तमान समय की गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। इसकी समय रहते पहचान, नियमित जांच और उचित उपचार बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि संतुलित एवं पौष्टिक आहार, नियमित व्यायाम, शारीरिक सक्रियता और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर मधुमेह के खतरे को कम किया जा सकता है। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें और मधुमेह के शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज न करें। समय पर चिकित्सकीय परामर्श एवं नियमित रक्त शर्करा की जांच से इस बीमारी को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। उन्होंने छात्राओं से स्वयं जागरूक बनने के साथ अपने परिवार और समाज के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। प्रतियोगिता में अनीता, शिल्पी, साक्षी भारती, संजना भारती एवं असमा फातिमा ने अपने भाषणों एवं आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से मधुमेह से बचाव, शुरुआती लक्षणों की पहचान और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा समाज को मधुमेह की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर शाहीन अंसारी भी मौजूद रहीं।

एसआईआर में नाम कटने पर भाजपा का बड़ा मंथन, लखनऊ में पंकज चौधरी ने बुलाई बैठक

लखनऊ, (संवाददाता)। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मतदाता सूची से 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम कटने को लेकर सवाल उठाए जाने के बाद भाजपा संगठन सक्रिय हो गया है। पार्टी ने छूटे हुए मतदाताओं के नाम दोबारा जुड़वाने के लिए अभियान तेज करने की तैयारी की है। इसी सिलसिले में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने शुक्रवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में संगठन की बड़ी बैठक बुलाई है। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दोपहर शामिल हुए। बैठक में प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर सहित प्रदेश और क्षेत्रीय स्तर के वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। करीब 700 से अधिक पदाधिकारियों को इस बैठक में बुलाया गया है। इनमें जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय प्रभारी, जिला और विधानसभा मतदाता प्रमुख तथा आईटी संयोजक शामिल हैं। बैठक में ैप्ट के दौरान छूटे मतदाताओं तक पहुंचने और उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने की रणनीति पर चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से मतदाता सूची में नाम कटने को लेकर चिंता जताए जाने के बाद प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भरोसा दिया था कि विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ता हर घर तक पहुंचेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को छूटे हुए मतदाताओं के नाम जुड़वाने की जिम्मेदारी सौंपने की बात कही थी। अब संगठन की इस बैठक में अभियान की रूपरेखा और जिम्मेदारियों को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।



छठ पूजा के लिए नगर निगम की तैयारियां पूरी, 47 प्रमुख और 63 छोटे घाटों पर होंगी विशेष व्यवस्थाएं

लखनऊ, (संवाददाता)। छठ पूजा के मद्देनजर लखनऊ नगर निगम ने शहर के सभी आठ जोनों में स्थित घाटों पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर 47 प्रमुख और 63 छोटे घाटों पर साफ-सफाई, प्रकाश, पेयजल, मोबाइल शौचालय, सजावट और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और घाटों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं।नगर निगम ने सभी प्रमुख घाटों पर रंगाई-पुताई, सफाई, प्रकाश व्यवस्था, झालर सजावट और कूड़ेदान की व्यवस्था कराई है। छोटे घाटों पर भी साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और सजावट का काम पूरा कराया गया है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों पर पानी के टैंकर और मोबाइल शौचालय लगाए गए हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय के लिए सभी घाटों पर नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किए गए हैं। पूजा सामग्री को नदियों और जलाशयों में प्रवाहित करने से रोकने के लिए प्रत्येक घाट पर अर्पण कलश रखा गया है। श्रद्धालु पूजा के बाद सामग्री इसमें एकत्र कर सकेंगे। इससे जलस्रोतों को स्वच्छ रखने और पर्यावरण संरक्षण में मदद मिलेगी। छठ पूजा को शून्य कचरा पर्व के रूप में मनाने के लिए घाटों पर सफाई मित्रों की तैनाती की गई है, जो पर्व के दौरान सफाई बनाए रखने के साथ एकत्र कचरे का उचित निस्तारण भी करेंगे।नगर निगम के आठों जोनों में प्रमुख घाटों के रूप में जोन एक में लक्ष्मण मेला घाट और लल्लूमल घाट, जोन दो में लेटे हनुमान मंदिर घाट, जोन तीन में बैरल नंबर-दो, सांझिया घाट और झूलेलाल घाट, जोन चार में गोमती नगर विस्तार स्थित घाट,।

मंदिर में चोरी करने वाले दो बाल अपचारी पकड़े गए, तीसरे की तलाश जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। गाजीपुर थाना क्षेत्र में मंदिर का ताला तोड़कर दानपात्र की नकदी और कीमती धार्मिक सामान चोरी करने के मामले में पुलिस ने दो बाल अपचारियों को संरक्षण में लिया है। उनके कब्जे से चोरी किया गया तांबे और पीतल का सामान बरामद हुआ है। वारदात में शामिल तीसरे साथी की तलाश की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया है कि बाल अपचारियों ने आर्थिक लाभ के लिए अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया था।पुलिस के अनुसार, 12 नवंबर की रात बी-ब्लॉक निवासी पूनम मिश्रा ने सूचना दी कि अज्ञात चोरों ने मंदिर के दरवाजे और दानपात्र का ताला तोड़कर उसमें रखी नकदी के साथ तांबे का घड़ा, भगवान शिव का अर्घा, शिवलिंग, सांप, त्रिशूल, ज्योत, लोटे, प्लेट सहित अन्य सामान चोरी कर लिया है। चोरों ने मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ दिए थे। शिकायत के आधार पर गाजीपुर थाने में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।घटना के खुलासे के लिए पुलिस ने आसपास के करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें वारदात के समय तीन छोटे बच्चे हाथ में बोरी लेकर जाते दिखाई दिए। फुटेज के आधार पर उनकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि संदिग्धों में शामिल दो लड़के चोरी का सामान बोरी में लेकर कल्याण अपार्टमेंट तिराहे से बंधा रोड की ओर जा रहे हैं और उसे बेचने की फिराक में हैं।सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने बैरल नंबर नौ के सामने दोनों बाल अपचारियों को पकड़ लिया। उनके पास मौजूद सफेद प्लास्टिक की बोरी से मंदिर का चोरी किया गया सामान बरामद हुआ। पूछताछ में दोनों ने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। उन्होंने बताया कि दानपात्र से निकाली गई नकदी तीसरे साथी के पास है।पुलिस ने बरामद सामान में तांबे का घड़ा, भगवान शिव का अर्घा और शिवलिंग, तांबे के सांप और उसका फन, दो लोटे, पीतल की चरण पादुका, आरती के दीपक, तांबे का टीका पात्र और नटराज की मूर्ति शामिल होने की जानकारी दी है। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) भी बढ़ाई गई है।

प्रदेश में 21 दिसंबर से होगा निपुण आकलन, कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों की होगी परीक्षा

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश के परिषदीय विद्यालयों में 21 दिसंबर से निपुण आकलन शुरू होगा। इसके तहत कक्षा एक और दो के विद्यार्थियों का दो चरणों में मूल्यांकन किया जाएगा। आकलन के जरिए बच्चों की भाषा और गणित विषयों में सीखने की क्षमता का आकलन किया जाएगा। इसके आधार पर यह तय होगा कि कितने विद्यार्थी निपुण लक्ष्य हासिल कर चुके हैं। मूल्यांकन में भाषा और गणित विषयों से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे। निर्धारित मानकों के अनुसार दोनों विषयों में 75 फीसदी या इससे अधिक सही उत्तर देने वाले विद्यार्थियों को निपुण माना जाएगा। इसके लिए विद्यालयों में निर्धारित प्रक्रिया के तहत दो चरणों में आकलन कराया जाएगा। इस आकलन का उद्देश्य विद्यार्थियों के बुनियादी भाषा और गणितीय कौशल की स्थिति जानना है। इसके जरिए यह भी पता चलेगा कि बच्चों को पढ़ने, लिखने और गणित की बुनियादी समझ विकसित करने में कहां कठिनाई आ रही है। आकलन के परिणामों के आधार पर कमजोर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त शिक्षण की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।



गुप्तार घाट पर मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया गया जागरूक



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मिशन शक्ति फेज–6.0 के अंतर्गत शनिवार को महिला थाना पुलिस की ओर से गुप्तार घाट पर जागरूकता अभियान चलाया गया।इस दौरान महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने महिला कांस्टेबल लक्ष्मी,सोनी एवं महिला होमगार्ड मीना के साथ महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा,उनके अधिकारों तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।अभियान के दौरान विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, सुकन्या समृद्धि योजना एवं बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में विस्तार से बताया गया।साथ ही महिला अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए किसी भी प्रकार की परेशानी या उत्पीड़न होने पर चुप न रहने और तत्काल पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया।पुलिस टीम ने विमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी देते हुए इनके उपयोग के बारे में भी समझाया।अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक कर उन्हें सुरक्षित वातावरण और अपने अधिकारों के प्रति सजग बनाना रहा।

बच्चों से बहुत प्यार करते थे जवाहरलाल नेहरू - गीता पांडेय



(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।पंडित हृदयराम शर्मा पी डी पांडेय इंटर कॉलेज सोनैसा रसूलाबाद अयोध्या में शनिवार को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रबंधक गीता पांडेय जी प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी ने बच्चों के साथ मिलकर केक काटकर किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबंधक गीता पांडेय ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू पूरे देश में चाचा नेहरू के नाम से जाने जाते थे।वह बच्चों से बहुत प्यार करते थे। इसीलिए उन्होंने अपने जन्मदिन को बाल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी ने कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू देश के प्रथम प्रधानमंत्री थे। उन्होंने आजादी के लिए संघर्ष किया। उनके द्वारा आजादी के लिए किए गए योगदान के चलते ही उन्हें देश का प्रथम प्रधानमंत्री बनाया गया। आज जो हमारा देश अखंड भारत बना हुआ है उसमें उनके अतुलनीय योगदान रहा है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक रमेश पाठक ने किया। इस अवसर पर अरविंद वर्मा,संदीप चक्रवर्ती, रामाशंकर यादव, संत सिंह,सच्चिदानंद शुक्ला , अमित तिवारी, अरुण द्विवेदी अमित मिश्रा ,अशोक मिश्रा ,कृष्णानंद तिवारी, विजय श्रीवास्तव , संदीप मिश्रा ,अमित मिश्रा, निखिलेश पांडेय, अरविंद कुमार, शुभम पांडेय, विजय सेन, रघुनाथ निषाद आदि उपस्थित रहे।

मेडिकल कॉलेज विश्व मधुमेह दिवस पर विशेष डॉ. विरेंद्र वर्मा ने कहा – मीठा कम, पैदल चलना ज्यादा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज, दर्शन नगर अयोध्या में एक ऐसा नाम है,जिसे सुनते ही मरीजों के चेहरे पर भरोसा आ जाता है।मेडिसिन विभाग में तैनात चिकित्सक डॉक्टर वीरेंद्र वर्मा के लिए डॉक्टर होना सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि एक सेवा है।सुबह ओपीडी शुरू होने से पहले ही मरीजों की लंबी लाइन लग जाती है। कोई बुजुर्ग अपनी शुगर की रिपोर्ट लेकर आता है,कोई माँ अपने बच्चे को लेकर आती है, तो कोई गरीब मजदूर अपनी सारी परेशानी लेकर।डॉ. वीरेन्द्र वर्मा हर एक की बात को बड़े धैर्य से सुनते हैं, जैसे वो उनके अपने परिवार के सदस्य हों।14 नवंबर, विश्व मधुमेह दिवस के दिन डॉ. वीरेन्द्र वर्मा हमेशा एक ही बात कहते हैं – ष्डायबिटीज से डरना नहीं है, उसे समझना है।ष्उनका मानना है कि आज अयोध्या जैसे शहर में भी हर घर में शुगर के मरीज बढ़ रहे हैं, लेकिन जागरूकता की कमी से लोग समय पर जांच नहीं कराते।वो कहते हैं, ष्चीनी कम कीजिए, पैदल चलना बढ़ाइए, टेंशन से दूर रहिए और 40 साल के बाद साल में एक बार जांच जरूर कराइए।यदवा को अपने मन से कभी बंद मत कीजिए।ष्दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में उन्होंने सैकड़ों मरीजों को न सिर्फ दवा दी,बल्कि जीने का नया हौसला दिया। कई गरीब मरीज ऐसे हैं, जिनके पास दवा के पैसे नहीं होते, डॉ. वीरेन्द्र वर्मा उनकी मदद भी चुपचाप कर देते हैं और किसी को पता भी नहीं चलता।उनके साथ काम करने वाले स्टाफ का कहना है कि डॉ. साहब कभी गुस्सा नहीं करते।थकान के बाद भी उनके चेहरे पर वही मुस्कान रहती है।यही वजह है कि मरीज उन्हें डॉक्टर कम और भगवान का रूप ज्यादा मानते हैं।आज विश्व मधुमेह दिवस पर हम सब डॉ. विरेंद्र वर्मा जी को सलाम करते हैं, जिन्होंने अयोध्या धाम की सेवा को ही अपना धर्म बना लिया है।

जमीन के झगड़े में पथराव, फिर परचून की दुकान में लगा दी आग गांव में मची अफरातफरी

आगरा, (संवाददाता)। बाह के फरैरा गांव में बृहस्पतिवार दोपहर को जमीन और संपत्ति के विवाद में एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान जमकर पथराव हुआ और एक परचून की दुकान में आग लगा दी गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम ने आग पर काबू पाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, बाह के फरैरा गांव में जमीन और संपत्ति को लेकर एक ही परिवार के सदस्यों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है। बृहस्पतिवार दोपहर करीब 2रू45 बजे यह विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। पहले पथराव हुआ, जिसके बाद अरविंद नाम के व्यक्ति की आगरा–इटावा स्टेट हाईवे पर सड़क किनारे स्थित परचून की दुकान में आग लगा दी गई। अरविंद ने पुलिस को बताया कि पहले ईंट–पत्थर फेंके गए थे, और जब उन्होंने बचने के लिए दुकान का दरवाजा बंद कर लिया तो उसमें आग लगा दी गई। आग की लपटें देखकर उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बाह पुलिस फायर ब्रिगेड के साथ मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। इस घटना को लेकर दोनों पक्ष एक–दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। बाह पुलिस मामले की जांच में जुटी है और एसीपी बाह जितेंद्र कुमार ने बताया कि जमीन और संपत्ति के विवाद में मारपीट और आगजनी की घटना हुई है। जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

सम्मान के साथ नई जिम्मेदारियों का अहसास,मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने रामनामा पहनाकर किया स्वागत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भाजपा महानगर कार्यालय सहादतगंज में महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नव नियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को रामनामा पहनाकर सम्मानित किया और संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में संगठन सर्वोपरि है। यहां प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी क्षमता और समर्पण के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाएं।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सामूहिक प्रयास से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि मोर्चों की भूमिका संगठनात्मक गतिविधियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण है।सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर कार्यकर्ताओं को साथ जोड़ें और संगठन की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करें।इस मौके पर विधानसभा प्रभारी राजेश सिंह बब्लू, शैलेन्द्र कोरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष अशोका द्विवेदी, एकता भटनागर, बिंदु सिंह, सावित्री गुप्ता, मंजू गुप्ता, अंकिता कपूर, यमुनोत्री केसरवानी, पिछडा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष डा अरविंद चौरसिया, डा अखिलेश वैश्य, वीरेन्द्र पटेल, चंदन मौर्या, जगेश्वर मौर्या, राम जी सोनी, किसान मोर्चा अध्यक्ष अनुराग त्रिपाठी, धर्मेन्द्र तिवारी, प्रदीप सिंह, रविन्द्र वर्मा, अनूप वर्मा, रज्जू पाण्डेय, धर्मेन्द्र शर्मा, अनूसूचित जाति अभिषेक सागर, सोमनाथ बघेल, दिलीप रावत, फूलचंद रावत, जयप्रकाश रावत, अभिषेक कोरी, पंकज कन्नौजिया, अनूसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष प्रमोद गौड सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

15 दिन बाद भी तीन वर्षीय मासूम हत्याकांड का खुलासा नहीं,सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रशासन को घेरा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।इनायतनगर थाना क्षेत्र के सहुलारा गांव में तीन वर्षीय मासूम की नृशंस हत्या का मामला 15 दिन बाद भी अनसुलझा है।पुलिस अब तक हत्याकांड का खुलासा नहीं कर सकी है।इसको लेकर सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने प्रेसवार्ता कर जिला प्रशासन और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए।सांसद ने बताया कि बीते 29 अक्टूबर को तीन वर्षीय बच्चा घर से लापता हो गया था। परिजनों की सूचना के बाद भी छह दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका। सातवें दिन मासूम का शव क्षत–विक्षत अवस्था में मिला। शव के सिर, हाथ और पैर अलग–अलग अवस्था में पाए गए थे। घटना की भयावहता से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई।सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि घटना के बाद वह स्वयं गांव पहुंचे थे और पुलिस अधिकारियों से गंभीरता से जांच कर जल्द कार्रवाई करने की मांग की थी। इसके बावजूद अब तक हत्याकांड का खुलासा नहीं होना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि मासूम की मां, पिता और दादा का रो–रोकर बुरा हाल है। पूरा परिवार गहरे सदमे में है।सांसद ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उच्च अधिकारियों से मामले का तत्काल संज्ञान लेने, हत्याकांड का शीघ्र खुलासा करने और दोषियों को गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की।

नहाय-खाय के साथ आज से शुरू होगा चार दिवसीय छठ महापर्व

उन्नाव, (संवाददाता)। चार दिवसीय छठ महापर्व नहाय–खाय के साथ आज से शुरू होने जा रहा है। इसके लिए महिलाएं तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटी रहीं। वहीं नगर पालिका प्रशासन ने भी आवास विकास कालोनी के लिली पार्क में साफ सफाई कराई। उधर, पिछले साल के मुकाबले पूजन सामग्री की कीमतों में 20 फीसदी का उछाल आया है। 13 नवंबर से नहाय–खाय के साथ छठ महापर्व शुरू हो रहा है। 15 नवंबर को ढलते और 16 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पर्व का समापन होगा। शहर में करीब 25 परिवार छठ पर्व मनाते हैं। उनके लिए आवास विकास कालोनी में बने लिली पार्क में व्यवस्था की जाती है। यहां पर कृत्रिम झील का निर्माण कराया जाता है। इस बार भी छठ पर्व के लिए बृहस्पतिवार को लिली पार्क में नगर पालिका कर्मी साफ सफाई में जुटे रहे। पार्क की घास सफाई के साथ झील में पानी भरवाने का काम चलता रहा। नगर पालिका परिषद के अधिशाषी अधिकारी रामआसरे कमल ने बताया कि छठ पर्व को लेकर पार्क की सफाई करा दी गई है। सफाई कर्मियों की ड्यूटी भी लगा दी गई है। छठ पर्व को लेकर पूजन में प्रयोग होने वाली सामग्री व फलों की कीमतों में उछाल आ गया है। पिछले साल जहां केला 50–55 रुपये प्रति दर्जन में बिका था, इस बार कीमत 60 से 65 रुपये पहुंच गई। सेब 100 से 120 रुपये प्रति किलो था, इस बार 120 से 140 रुपये में पहुंच गया। अनार, संतरा की कीमतों में बढ़ोत्तरी हुई है और क्रमशरू रेट 200 व 80 रुपये प्रति किलो पहुंच गए। गन्ना जहां 45 से 50 रुपये प्रति पीस था,।

सम्मान के साथ नई जिम्मेदारियों का अहसास,मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने रामनामा पहनाकर किया स्वागत

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।भाजपा महानगर कार्यालय सहादतगंज में महिला मोर्चा, किसान मोर्चा, पिछड़ा वर्ग मोर्चा, अनुसूचित जाति मोर्चा एवं अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नव नियुक्त पदाधिकारियों के स्वागत एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को रामनामा पहनाकर सम्मानित किया और संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में संगठन सर्वोपरि है। यहां प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी क्षमता और समर्पण के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिलता है।मोर्चों के नवनियुक्त पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें और समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की नीतियों एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाएं।उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की सक्रियता और सामूहिक प्रयास से संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी।महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि मोर्चों की भूमिका संगठनात्मक गतिविधियों को समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण है।सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर कार्यकर्ताओं को साथ जोड़ें और संगठन की विचारधारा को जन–जन तक पहुंचाने का कार्य करें।इस मौके पर विधानसभा प्रभारी राजेश सिंह बब्लू, शैलेन्द्र कोरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष अशोका द्विवेदी, एकता भटनागर, बिंदु सिंह, सावित्री गुप्ता, मंजू गुप्ता, अंकिता कपूर, यमुनोत्री केसरवानी, पिछडा वर्ग मोर्चा के अध्यक्ष डा अरविंद चौरसिया, डा अखिलेश वैश्य, वीरेन्द्र पटेल, चंदन मौर्या, जगेश्वर मौर्या, राम जी सोनी, किसान मोर्चा अध्यक्ष अनुराग त्रिपाठी, धर्मेन्द्र तिवारी, प्रदीप सिंह, रविन्द्र वर्मा, अनूप वर्मा, रज्जू पाण्डेय, धर्मेन्द्र शर्मा, अनूसूचित जाति अभिषेक सागर, सोमनाथ बघेल, दिलीप रावत, फूलचंद रावत, जयप्रकाश रावत, अभिषेक कोरी, पंकज कन्नौजिया, अनूसूचित जनजाति मोर्चा अध्यक्ष प्रमोद गौड सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अयोध्या से जनकपुर के बीच 23 नवंबर से दौड़ेगी विशेष ट्रेन,पीएम मोदी दिखाएंगे हरी झंडी

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।अयोध्या और जनकपुर के बीच धार्मिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती देने की दिशा में 23 नवंबर को विशेष रेलगाड़ी का संचालन शुरू होगा।दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह वर्चुअल माध्यम से संयुक्त रूप से ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।इस अवसर पर अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।इस विशेष रेलगाड़ी के संचालन के लिए पूर्व सांसद लल्लू सिंह लगातार प्रयासरत थे।उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से कई बार मुलाकात कर अयोध्या से जनकपुर के बीच सीधी रेल सेवा शुरू करने का अनुरोध किया था।ट्रेन संचालन की घोषणा पर पूर्व सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया।पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि अयोध्या और जनकपुर का संबंध केवल दो शहरों के बीच का नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम और माता सीता के पवित्र रिश्ते से जुड़ा हुआ है। अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है तो जनकपुर माता सीता की जन्मस्थली।दोनों धार्मिक स्थलों के बीच रेल सेवा शुरू होना श्रद्धालुओं के लिए बड़ी सुविधा साबित होगी।इससे दोनों देशों के बीच सदियों पुराने धार्मिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंधों को और मजबूती मिलेगी।उन्होंने कहा कि इस रेल सेवा के शुरू होने से अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को जनकपुर और जनकपुर जाने वाले यात्रियों को अयोध्या पहुंचने में सुविधा होगी।इस घोषणा पर अयोध्या के संत–महंतों और नागरिकों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया गया है।

शिया बाहुल्य क्षेत्रों में तीन दिवसीय मजलिस का आयोजन शुरू



सुल्तानपुर, (संवाददाता)। जनपद के शिया बाहुल्य क्षेत्रों अमहट गोराबारिक तुराबखानी अलीगढ़ अलीनगर ऊंचवा मेड़ई खां का पुरवा भाईं पीथापुर लौहर दक्षिण हसनपुर मनियारपुर जूडूपुर प्रतापपुर मनियारी वलीपुर इसौली करीभीट सैयद खानपुर लुसहा खैराबाद चुनहा करौंदिया सैदपुर छतौना माल्हा हयातनगर कोटवा सुरौली मूंगर बेलहरी कादीपुर पियारेपुर दोस्तपुर में हर साल की तरह इस सालभी परम्परागत तरीके से 12 नवम्बर से 14 नवम्बर तक प्रतिदिन रात में मजलिस का आयोजन किया जाएगा और तीन दिन तक शोक मनाया जायेगा। 14 नवम्बर को हुसैनिया नौतामीर गोराबारिक अमहट सुल्तानपुर में रात 8बजे एक मजलिस होगी जिसको मौलाना शब्बीर आगा नजफी पढेंगे व तकरीर मौलाना मोहम्मद जाफर खान, मौलाना हाफिज सैयद मोहम्मद रजा देहली करेंगे इसके बाद शबीह ताबूत का जुलूस हुसैनिया नौतामीर से उठकर जामा मस्जिद गोराबारिक अमहट पर लगभग 12बजे समाप्त होगा। जिसमें अमहट की सभी अंजुमने नौहा ख्वानी व मातम करें गी इसकी जानकारी हैदर अब्बास खान अध्यक्ष हुसैनी शिया वेलफेयर एसोसिएशन सुल्तानपुर ने दी है।

धूमधाम से निकली लक्ष्मी-गणेश प्रतिमाओं की विसर्जन शोभायात्रा

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। शहर में बुधवार रात मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमाओं की विसर्जन शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। डीजे की भक्तिमय धुनों पर श्रद्धालु नाचते–गाते और अबीर–गुलाल उड़ाते हुए शोभायात्रा में शामिल हुए। जगह–जगह मां लक्ष्मी के जयकारों से पूरा शहर भक्तिमय माहौल में सराबोर नजर आया। शहर के नबीपुर, गांधी नगर और शाहगंज समेत कई इलाकों में धनतेरस से पूर्व मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई थीं। चार दिनों तक विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। बुधवार दोपहर हवन–पूजन के बाद श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया गया। वहीं, प्रतिदिन भंडारे का आयोजन भी किया गया। बुधवार रात करीब 11 बजे के बाद निकली विसर्जन शोभायात्रा में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते हुए आगे बढ़े। देर रात प्रतिमाओं को सीताकुंड घाट स्थित गोलाघाट पर विधि–विधान के साथ विसर्जित किया गया। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर कोतवाली पुलिस विभिन्न चौराहों पर मुस्तैद रही। भाजपा जिला कोषाध्यक्ष पूजा कसौधन ने बताया कि उनकी समिति का नाम लक्ष्मी माता पूजा समिति है, जो वर्ष 1977 से लगातार मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा–अर्चना करती आ रही है। उन्होंने बताया कि अगले वर्ष समिति के 50 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं। इस अवसर को विशेष रूप से मनाने की तैयारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि समिति की परंपरा के अनुसार धनतेरस के दिन मां लक्ष्मी की प्रतिमा घर लाई जाती है और विधि–विधान से पूजन किया जाता है। देवी–देवताओं के स्वरूप को अलग–अलग नहीं बांटा जा सकता, यह प्रत्येक व्यक्ति की आस्था और श्रद्धा का विषय है।

साइबर सेल की बड़ी सफलता, 82 लाख से अधिक की ठगी की रकम होल्ड

बांदा, (संवाददाता)। पुलिस की साइबर सेल को वर्ष 2026 में बड़ी सफलता मिली है। 82 लाख से अधिक की ठगी की रकम होल्ड कराई है। जबकि 49 लाख रुपये पीड़ितों के खातों में वापस कराए गए। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक पीयूषकान्त राय के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए संचालित साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार सिंह व उनकी टीम के आरक्षी प्रशांत कुमार, सर्वेश कुमार द्वारा वर्ष 2026 में उल्लेखनीय कार्य किया गया है। इस वर्ष कुल 1515 साइबर सम्बन्धी शिकायतें प्राप्त हुईं। इसमें 914 मामले वित्तीय ठगी तथा 601 मामले सोशल मीडिया हैरेसमेंट, अश्लील टिप्पणी, फेक प्रोफाइल व अन्य साइबर अपराधों से सम्बन्धित रहे। सभी शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही की गयी। 914 वित्तीय ठगी के मामलों में पीड़ितों के कुल 22197256 रुपये की ठगी हुई थी। साइबर सेल की त्वरित कार्यवाही से विभिन्न बैंकों, पेमेंट गेटवे से समन्वय कर 8271844 रुपये होल्ड कराये गये। जिसमें से न्यायालयीन प्रक्रिया पूर्ण कर 4995704 रुपये पीड़ितों के खातों में सफलतापूर्वक वापस कराये जा चुके हैं। साइबर अपराधों में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध जनपद में कुल 72 अभियोग पंजी.त किये गये। जिनमें 38 वित्तीय ठगी तथा 34 यौन शोषण सामग्री के विक्रय, प्रचार व महिला, बालिकाओं पर अभद्र टिप्पणी से सम्बन्धित हैं। पेट्रोल पम्पों के माध्यम से साइबर ठगी की रकम को खपाने वाले अंतर्राज्यीय गैंग का भंडाफोड़ करते हुए ।

कुलपति ने फीता काटकर किया अंतर महाविद्यालीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। कलान स्थित श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज में तीन दिवसीय अंतरमहाविद्यालीय पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह ने फीता काटकर किया। उद्घाटन समारोह में खिलाड़ियों, शिक्षकों एवं महाविद्यालय परिवार में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर कुलपति डॉ. विजेंद्र सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय से संबद्ध लगभग 42 महाविद्यालयों में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना है। इसी क्रम में श्री विश्वनाथ पीजी कॉलेज, कलान को अंतरमहाविद्यालयीय पुरुष क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से न केवल शारीरिक एवं मानसिक क्षमता का विकास होता है, बल्कि अनुशासन, आपसी सहयोग, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता जैसे गुण भी विकसित होते हैं। कुलपति ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली सभी टीमों के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना, अनुशासन और पूरी निष्ठा के साथ प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों की टीमें हिस्सा लेंगी। प्रतियोगिता के शुभारंभ के साथ ही कॉलेज परिसर में खेल उत्सव का माहौल बन गया। खिलाड़ियों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलाने का उत्साह दिखाई दिया।



प्रेमी से शादी की जिद में मोबाइल टावर पर चढ़ी 15 वर्षीय किशोरी

सुल्तानपुर, (संवाददाता)। चांदा कोतवाली क्षेत्र में बुधवार शाम प्रेमी से शादी करने की जिद में एक 15 वर्षीय किशोरी मोबाइल टावर पर चढ़ गई। करीब 60 फीट ऊंचे टावर पर चढ़कर किशोरी ने प्रेमी को बुलाने और उससे शादी कराने की मांग शुरू कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी देर तक समझाने का प्रयास किया। आखिरकार सीओ लंभुआ ऋतिक कपूर के समझाने पर करीब दो घंटे बाद किशोरी सुरक्षित नीचे उतर आई। जानकारी के अनुसार, चांदा कोतवाली क्षेत्र की रहने वाली किशोरी का गांव के ही गुड्डू सरोज के 17 वर्षीय बेटे किशन सरोज से करीब दो वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा है। दोनों शादी करना चाहते हैं, लेकिन उनके परिजन इसके पक्ष में नहीं हैं। बताया जाता है कि किशन इन दिनों प्रतापगढ़ स्थित अपनी रिश्तेदारी में रह रहा है। बुधवार शाम किशोरी घर पर मोबाइल से अपने प्रेमी से बात कर रही थी। इसी दौरान उसकी मां ने उसे फोन पर बात करने से मना कर दिया। इससे नाराज होकर किशोरी गांव के पास स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गई। किशोरी को टावर पर चढ़ा देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। लोगों ने उसे नीचे उतारने का प्रयास किया, लेकिन वह प्रेमी को बुलाकर शादी कराने की मांग पर अड़ी रही।

बाइक सवारों में मारपीट, दोनों घायल

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र के कजगांव रेलवे क्रासिंग के अण्डरपास के अंदर शनिवार को दो बाइक सवारों के बीच मे मारपीट में दोनो घायल हो गए। कुछ लोगो ने बीचबचाव के बाद प्रकरण निपटाया।लाइनबाजार के कुद्दुपुर निवासी अभय नारायण अपने बाइक से कजगांव की तरफ आ रहा था।उक्त अण्डरपास के भीतर जब वह बाइक लेकर पहुंचा था कि उसी समय कजगांव की तरफ से एक युवक काफी तेज रफ्तार से बाइक लेकर एकदम से सामने आ गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।